31 AUG 2019

GENERAL STUDIES (Module – 10)

drishti

DTVF/19 (N-M)–M–**GS20**

निर्धारित समयः तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	अधिकतम अंकः 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Girdhari lal Meena **Mobile Number:** ________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19/E017

Center & Date: 31/08/2019 Delhi **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0856006

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		6 (b)	
1 (b)		7 (a)	
2 (a)		7 (b)	
2 (b)		8	
3 (a)		9	
3 (b)		10	
4		11	
5 (a)		12	
5 (b)		13	
6 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) मानव आचरण के तरीके को निर्धारित करने में नैतिक सापेक्षवाद की भूमिका नैतिक निरपेक्षता की तुलना में अधिक महत्त्वपूर्ण है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द)

Moral relativism has a more important role in determining the course of human conduct than ethical absolutism. Examine. (150 Words) 10

मानव आचरण का निर्धारण व्यक्ति के नैतिक मूल्यों, अभिवृत्तियों के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के सापेक्षता / निरपेक्षता के आधार पर भी होता है

नैतिक सापेक्षवाद नैतिक मूल्यों व मानवीय आचरण को कुछ स्वतंत्रता प्रदान करता है जबकि नैतिक निरपेक्षवाद (कांट द्वारा समर्थन) सभी परिस्थितियों में व्यक्ति को नैतिक होने की बात करता है

<u>अंतर</u>

① एक व्यक्ति को हथियार लौटाना जबकि वह पागल हो गया हो, नैतिक दृष्टि से सही नहीं है

② कभी-कभी दूसरे व्यक्तियों की जान बचाने के लिए नैतिक निरपेक्षवाद के सिद्धांत को त्यागा जा सकता है

③ नैतिक सापेक्षवाद व्यक्ति को परिस्थितियों के अनुसार आचरण करने में सक्षम बनाता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है।

④ एक तड़पते हुए हिरण को मारना नैतिकता की दृष्टि से सही है

⑤ एक सिविल सेवक तथा एक साधारण मनुष्य की नैतिकता भी अलग-अलग होती है।

⑥ एक भूखे व्यक्ति द्वारा रोटी चोरी करने को नैतिक सापेक्षवाद के आधार पर स्वीकार किया जा सकता है

⑦ नैतिक सापेक्षवाद किसी जघन्य अपराधी को फाँसी की सजा की बात करता है जबकि नैतिक निरपेक्षवाद यहाँ भी एक निश्चित प्रक्रिया के पालन पर आधारित है

निष्कर्षतः मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जहाँ भावनाओं की प्रधानता होती है इस कारण नैतिक निरपेक्षवाद के बजाय नैतिक सापेक्षवाद अधिक व्यवहारिक प्रतीत होता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) एक लोक सेवक के लिये कानून और अंतरात्मा के मध्य का चुनाव हमेशा कठिन होता है। एक उपयुक्त उदाहरण के साथ ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली दुविधा को स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द)

Between law and conscience, the choice of a public servant is always difficult. Explain the dilemma arising in such a situation with an appropriate example. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोक सेवक के द्वारा अपने कार्यों का संचालन ~~किया गया है लेकिन~~ करने के लिए कानूनों का निर्माण किया गया है लेकिन कभी कभी कानून भी प्रभावी नहीं होता।

एक लोक सेवक द्वारा कानून के आधार पर आचरण आसान होता है ऐसी स्थिति में किसी प्रकार की नैतिक दुविधा उत्पन्न नहीं होती। यदि कानून व अंतरात्मा के मध्य चुनाव करना हो तो मुद्दा जटिल हो जाता है क्योंकि यह आवश्यक नहीं की कानून आवश्यक रूप से नैतिक हो जबकि दूसरी तरफ अंतरात्मा में निश्चितता के अभाव में नैतिक दुविधा उत्पन्न होती है।

उदा०

① एक गरीब अधीनस्थ द्वारा रिश्वत लेना जबकि वह रिश्वत अपनी माँ का इलाज करवाने के लिए ले रहा हो।

ऐसी स्थिति में कानून मानता है कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ये लरेंस की नीति अपनायी जायी लेकिन यदि यहाँ कानून के आधार पर कार्य किया जायेगा तो अधीनस्थ की नौकरी जा सकती है तथा उसकी माँ की जान भी जा सकती है अतः यहाँ नैतिक दुविधा की स्थिति विद्यमान है।

② एक ऐसी महिला को योजना का लाभ देना जो लाभार्थी तो है लेकिन उसके पास आवश्यक दस्तावेजों का अभाव है। यदि महिला अनुसूचित जाति की गरीब है तो नैतिक दुविधा की स्थिति के कारण कानून व अंतरात्मा में संघर्ष हो सकता है

निष्कर्षतः लोक सेवक द्वारा अपने आचरण को सामान्यतः कानून द्वारा संचालित करना चाहिए एवं विवेक की स्थिति में अंतरात्मा निश्चित व प्रबुद्ध होनी चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) यदि भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई को संस्थागत रूप दिया जाता है, तो इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सकता है, जबकि व्यक्तिगत पहल की अपनी सीमाएँ हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द)

Corruption can be effectively curbed if the fight against it is institutionalised, as the individual initiative has its limitations. Comment. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भ्रष्टाचार अपने पद का आर्थिक लाभ के लिए दुरुपयोग या अपने सही समय पर उपयोग न करना होता है।

वर्तमान में भारतीय प्रशासन के सामने भ्रष्टाचार की समस्या व्याप्त है। भ्रष्टाचार के कारण लोकतंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने में समस्या आ रही है

भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई के लिए व्यक्तिगत पहल से ज्यादा संस्थागत रूप की आवश्यकता है -

① व्यक्तिगत पहल के कारण केवल वह व्यक्ति ही नैतिक हो पाता है

② संस्थागत रूप देने से वर्तमान भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

③ शिक्षा व जागरूकता आधारित संस्थागत रूप के कारण आने वाली पीढ़ी को भी नैतिक बनाया जा सकता है।

④ व्यक्तिगत पहल के बावजूद अन्य व्यक्ति भ्रष्टाचारी बने रहते हैं। इस कारण कोई

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विशेष लाभ प्राप्त नहीं होता है।
(5) व्यक्तिगत पहल का प्रभाव सीमित होता है जबकि संस्थागत लड़ाई के कारण विभिन्न प्रक्रियाओं, संस्थाओं व व्यक्तियों को ईमानदार बनाया जा सकता है।
(6) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग व संथानम समिति के अनुसार भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

निष्कर्षतः संस्थागत प्रयासों के साथ-साथ व्यक्तिगत पहल की भी आवश्यकता है क्योंकि गांधीजी के अनुसार स्वयं को सुधारने से सारा संसार सुधर जायेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता बढ़ने से हमेशा भ्रष्टाचार में कमी नहीं होती है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? उदाहरण सहित अपने तर्क को प्रमाणित कीजिये। (150 शब्द)

Increase of probity in governance does not always result in decrease of corruption. Do you agree? Substantiate your argument with examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शुचिता किसी व्यक्ति के कार्यों को नैतिक व ईमानदारी के आधार पर संचालित करने वाली गतिविधि है जिसमें उत्तरदायित्व, पारदर्शिता व जवाबदेहिता का समावेश रहता है।

सामान्यत: माना जाता है कि शुचिता भ्रष्टाचार पर नियंत्रण में सहायक होती है। शुचिता के कारण व्यक्ति मानवीय हितों के आधार पर कार्य करता है तथा इस कारण भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है। लेकिन लेकिन स्थिति सदैव मान्य नहीं होती है।

① शासन में शुचिता बढ़ने के बाद भी व्यक्ति आधारित भ्रष्टाचार जारी रहता है।

② शुचिता के कारण बाह्य दबाव आरोपित होता है और व्यक्ति ईमानदार हो जाता है लेकिन यह स्थिति स्थायी नहीं हो पाती।

③ व्यक्ति प्रत्यक्ष रूप से भ्रष्टाचार में शामिल न हो लेकिन विवेक के आधार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पर अपने पद का दुरुपयोग कर सकता है

④ यदि शासन में शुचिता के साथ-साथ भ्रष्टाचार भी कम आता है तो इसके लिए समाज भी नैतिक होना चाहिए

⑤ समाज के नैतिक न होने पर मांग के बजाय आपूर्ति आधारित भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा।

⑥ शुचिता के साथ-साथ सत्यनिष्ठा, ईमानदारी व समानुभूति के गुणों के विकास के माध्यम से भ्रष्टाचार पर नियंत्रण किया जा सकता है

निष्कर्षतः भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने के शुचिता के साथ-साथ अन्य मूलभूत मूल्यों की भी आवश्यकता होती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) अभिवृत्ति पद से आप क्या समझते हैं? क्या विभिन्न प्रकार की अभिवृत्तियाँ एक दूसरे को प्रभावित कर सकती हैं? (150 शब्द)

What do you understand by the term attitude? Can different types of attitude influence each other? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अभिवृत्ति किसी व्यक्ति की विचार/वस्तु के प्रति सकारात्मक, नकारात्मक या उभय प्रवृत्ति (सकारात्मक और नकारात्मक) की अभिव्यक्ति है जहाँ संज्ञानात्मक व भावनात्मक पक्ष के साथ-साथ सामान्यतः व्यवहार पक्ष भी शामिल होता है।

एक व्यक्ति संगीत के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रख सकता है तो मांसाहार को लेकर वह नकारात्मक अभिवृत्ति वाला हो सकता है। अभिवृत्तियों का निर्माण एक दीर्घकालिक सामाजिक व आनुवांशिक कारकों की भूमिका के कारण होता है।

सामान्यतः अभिवृत्तियों का निरंतर विकास होता रहता है तथा वे एक दूसरे को प्रभावित भी करती हैं-

(1) पाकिस्तान के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति वाला व्यक्ति सामान्यतः पाकिस्तान के लोगों के प्रति भी नकारात्मक अभिवृत्ति रखेगा।

(2) जो अभिवृत्ति अधिक तीव्र होगी वह प्रभावी हो जायेगी।

(3) भ्रष्टाचार के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति व्यक्ति में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[illegible] चाहिये।
(Candidate must no[illegible] write on this margi[illegible]

सत्यनिष्ठता व ~~[illegible]~~ पारदर्शिता के गुणों का समावेश होगी।

④ स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति व्यक्ति को योग, खेलों के प्रति भी सकारात्मक अभिवृत्ति निर्माण के लिए प्रेरित करेगी।

⑤ जो अभिवृत्ति व्यक्ति की चिंतन प्रक्रिया में गहराई तक होगी तथा लाभदायक होगी, व्यक्ति उस अभिवृत्ति का पालन करेगा।

⑥ अभिवृत्ति व्यवहार को भी प्रभावित करती है।

निष्कर्षत: अभिवृत्तियाँ आपस में एक दूसरे से अपने तीव्रता के आधार पर प्रभावित होती है तथा व्यक्ति के व्यवहार को निर्धारित करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (b) निर्णयन लेने में विवेक की भूमिका का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द)

Analyze with an example, the role of discretion in decision making. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विवेक व्यक्ति को कार्य करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है जो व्यक्ति के नैतिक मूल्यों को सकारात्मक व नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है

विवेक व्यक्ति को स्वयं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है तथा व्यक्ति स्वयं की अंतरात्मा के आधार पर कार्य करता है

① विवेक के आधार पर लिया गया उत्तरदायित्व को क्षीण करता है। इस कारण भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा मिल सकता है। एक व्यक्ति सड़क का निर्माण स्वयं के परिवार के लाभ या ग्राम समूह के लाभ के आधार पर विवेक के अनुसार कार्य कर सकता है

② सत्यनिष्ठ व्यक्ति अपने विवेक का प्रयोग समानता, अधिक लोगों के हित व सर्वोदय के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कर सकता है। इस प्रकार कोई सांसद MPLADS के धन का प्रयोग अवसंरचना विकास के लिए कर सकता है

③ विवेक निर्णयन लेते समय व्यक्ति को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नैतिक चिंता व नैतिक दुविधा की स्थिति से भी बाहर निकलता है। न्यायाधीश द्वारा बाल यौन उत्पीड़न के अपराधी को मौत की सजा देना विवेक पर ही निर्भर करता है।

④ विवेक के आधार पर निर्णय लेते समय व्यक्ति को व्यापक हित, संविधान व कानूनों के अनुपालन के साथ-साथ त्रुटिविहीन, निश्चित अंतरात्मा के आधार पर कार्य करना चाहिए।

⑤ विवेक के आधार पर निर्णयन व्यक्ति को भ्रष्टाचारी बना सकता है तो व्यक्ति गांधीवादी भी बन सकता है।

निष्कर्षतः विवेक की निर्णयन प्रक्रिया में प्रभावी भूमिका होती है लेकिन विवेक का उपयोग मानवता के हित के लिए किया जाना चाहिए। (द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must n[ot] write on this marg[in])

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उपयुक्त उदाहरणों के साथ निम्नलिखित पदों के बीच के संबंध को समझाइये: (150 शब्द)

Explain with appropriate examples the relationship between the following terms:

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा (Honesty and Integrity)

ईमानदारी को सामान्यतः वित्तीय पक्ष तक सीमित किया जाता है। सत्यनिष्ठा का तात्पर्य ~~सुसंग~~ सुसंगति से है। सत्यनिष्ठा व्यक्ति के नैतिक आदर्शों व व्यवहार में सुसंगति से संबंधित है।

ईमानदारी का आशय यह है कि व्यक्ति अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करेगा, भ्रष्टाचार नहीं करेगा तथा अपना उत्तरदायित्व सुनिश्चित करेगा। सत्यनिष्ठा बाह्य सुसंगति के साथ-साथ व्यक्ति के विभिन्न नैतिक सिद्धांतों में समानता की बात करता है। अपनी असफलता को स्वीकार करना तथा सदैव नैतिक रहने का प्रयास करना चाहिए

– एक प्रशासक धन का आदेश के अनुसार उपयोग कर ईमानदार हो सकता है तो सर्वोदय की धारणा के लिए धन का उपयोग उसे सत्यनिष्ठ भी बनायेगा।

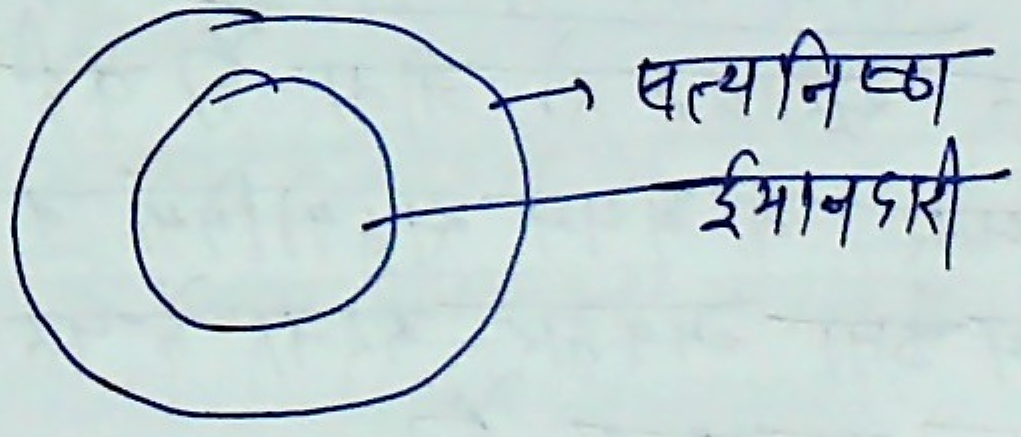

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) शासन, सुशासन तथा कॉर्पोरेट प्रशासन (Governance, Good governance and Corporate governance)

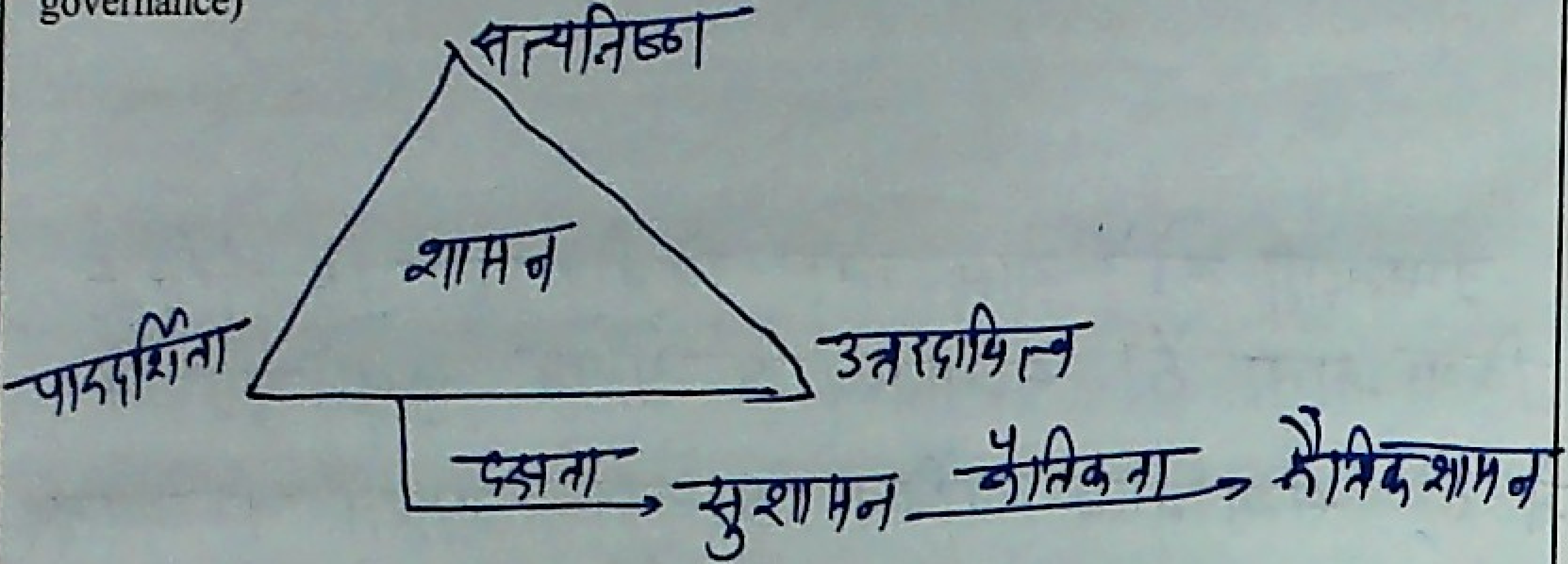

→ शासन संसाधनों के उपयोग की एक पद्धति होती है जहाँ पारदर्शिता, उत्तरदायित्व के आधार पर कार्य किया जाता है और जब शासन में सर्वोदय, दक्षता व संविधानवाद का तत्व जुड़ जाता है तो सुशासन का तत्व सामने आता है।

(द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग)

कॉर्पोरेट शासन सुशासन का ही एक रूप है जहाँ किसी व्यवसाय में प्रक्रियाओं की निश्चितता, जवाबदेहिता व नैतिक तत्वों का समावेश हो।

उदा० → एक जिलाधिकारी सरकारी आदेश का पालन कर शासन की स्थापना करता है लेकिन जब इसमें सबका साथ सबका विकास तत्व जुड़ जाता है तो यह सुशासन हो जाता है। वही जिलाधिकारी अपने दफ्तर में अपने सहयोगियों व अन्य लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है यह कॉर्पोरेट प्रशासन का तत्व है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (a) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि कभी-कभी नियम एवं कानून समाज में नैतिक भ्रष्टाचार का आधार बन जाते हैं? (150 शब्द)

Do you agree that sometimes rules and laws become the basis for moral corruption in society? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नियम एवं कानूनों का निर्माण सुशासन की स्थापना तथा शासन प्रक्रिया को निश्चित तरीके से चलाने के लिए किया जाता है

नियम एवं कानून हमें यह बताते हैं कि हमें किस प्रकार व्यवहार करना चाहिए जज के आने पर वकीलों का खड़ा होना नैतिक होने की निशानी है इस आधार पर सामान्यतः नियम एवं कानून समाज में नैतिकता के समावेश के लिए लाये जाते हैं -

सामान्यतः सदा ऐसा नहीं होता। समाज में नियम एवं कानून कभी कभी नैतिक भ्रष्टाचार का कारण भी बन सकता है

① प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए 5 हेक्टेयर की सीमा से बचने के लिए लोगों द्वारा नैतिक भ्रष्टाचार का सहारा लिया जा सकता है

② अमेरिका में बंदूक रखने का नियम है लेकिन यह हिंसा के कारण सामान्यतः नैतिक भ्रष्टाचार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

को ही बढ़ावा देता है।

③ राजस्थान में पंचायती चुनावों में शिक्षा की अनिवार्यता के कारण फर्जी प्रमाणपत्रों का मामला भी सामने आया था।

④ एक प्रशासक भी नियम एवं कानूनों का सहारा लेकर लालफीताशाही के माध्यम से ~~लालफीताशाही~~ नैतिक भ्रष्टाचार को ही बढ़ावा देता है।

⑤ ट्रैफिक पुलिस द्वारा जुर्माने के नियमों की कठोरता का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जाता है।

निष्कर्षतः नियम एवं कानूनों को भी नैतिक आधार पर ~~परख~~ परखा जाना चाहिए जो नैतिकता व सत्यनिष्ठा के प्रसार में सहायक हो न कि नैतिक भ्रष्टाचार में।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. (b) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) के लिये एक नैतिक ढाँचे को विकसित करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द)

Discuss the need for developing an ethical framework for Artificial Intelligence (AI) and Internet of Things (IoT). (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मशीनों मे विवेक के समावेशन के साथ ही इन मशीनों व इनके सन्चालकों के लिए नैतिक ढाँचे की स्पष्टता की मांग की जा रही है।

कृत्रिम बुद्धिमता व इंटरनेट ऑफ थिंग्स मानवीय हस्तक्षेप को कम कर इनके स्वतंत्र सन्चालन पर आधारित है। इस कारण इनके लिए नैतिक ढाँचा आवश्यक है -

① नैतिक ढाँचा एक सचालित कार द्वारा दुर्घटना होने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करेगा।

② नैतिक ढाँचा असीमो के नियमों की तरह यह स्पष्ट करेगा का कि इन मशीनों का उपयोग मानव कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

③ इन तकनीकों का युद्ध क्षेत्र मे प्रयोग होने पर नैतिक उत्तरदायित्व का निर्धारण भी आवश्यक है।

④ इन मशीनों के उपयोग से कुछ व्यक्तियों का रोजगार चला जायेगा। अतः इस पक्ष के आधार पर भी नैतिक ढाँचे की आवश्यकता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पर बल दिया जाता है।

⑦ नैतिक ढाँचा यह सुनिश्चित करेगा कि इन तकनीकों की असफलता पर उत्तरदायित्व किसका होगा।

⑧ इन तकनीकों द्वारा मानवता, मानवीय संबंधों, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों व समाज में अनैतिकता/भौतिकता व पर डाले जाने वाले प्रभावों के लिए नैतिक ढाँचे की आवश्यकता है।

निष्कर्षतः ए. आई व आई. ओ. टी के लिए नैतिक ढाँचे का निर्धारण इनके नैतिक उपयोग व मानवता की रक्षा व संवृद्धि के लिए आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) कार्य संस्कृति क्या है? क्या आपको लगता है कि विभिन्न प्रकार के संगठनों में अलग-अलग कार्य संस्कृति पाई जाती है? (150 शब्द)

Explain what is work culture. Do you think that different types of organizations have different work culture? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कार्य संस्कृति किसी विशेष कार्य के प्रति कर्मचारियों की अभिवृत्ति के बारे में सूचना देती है। कार्य संस्कृति बताती है कि कर्मचारियों के मध्य संबंध व कार्य के प्रति नजरिया कैसा है

कार्य संस्कृति का निर्माण

व्यक्ति के नैतिक मूल्यों, आचरण के साथ-साथ दफ्तर में अनुशासन के आधार पर होता है। कार्य स्थल का नेतृत्वकर्ता वहाँ की कार्य संस्कृति का प्रमुख निर्धारक होता है। इस कारण अलग-अलग संगठनों में कार्य संस्कृति भी अलग-अलग होती है

① निजी क्षेत्र में उत्तरदायित्व, पारदर्शिता व जवाबदेहिता के तत्वों की उपस्थिति के कारण प्रतिबद्धता आधार कार्य संस्कृति उपस्थित होती है।

② सरकारी क्षेत्र में गोपनीयता, लालफीताशाही व सामान्यतः अनैतिकता की कार्य संस्कृति पाई जाती है।

③ भौगोलिक कारणों व सांस्कृतिक तत्वों के कारण पश्चिमी विश्व व भारत तथा उत्तरी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

भारत व दक्षिणी भारत की कार्य संस्कृति में भी पर्याप्त अंतर पाया जाता है।

(4) कार्य संस्कृति का निर्माण सांस्कृतिक कारकों, मनुष्यों के सुपर ईगो के विकास व नियंत्रण की पद्धति पर निर्भर करता है।

(5) एक अस्पताल व मिलिट्री बेस की कार्य संस्कृति में भी पर्याप्त अंतर पाया जाता है।

(6) कार्य संस्कृति में अंतर के कारण उत्तरदायित्व, नैतिकता, प्रतिबद्धता, समानुभूति व समर्पण की भावना का भी अंतर पाया जाता है।

निष्कर्षतः कार्य संस्कृति का निर्धारण विभिन्न तत्वों द्वारा पृथक रूप से किया जाता है इस कारण विभिन्न संगठनों की कार्य संस्कृति में पर्याप्त अंतर पाया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (b) मानवीय मूल्यों तथा अन्य मूलभूत मूल्यों के बीच संघर्ष में मानवीय मूल्यों की जीत होनी चाहिये। क्या आप इससे सहमत हैं? उदाहरण सहित अपने तर्क को सिद्ध कीजिये। (150 शब्द)

In case of conflict between human values and other fundamental values, the former should triumph. Do you agree? Justify your argument with an appropriate example. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हितों के अंतर, मूल्यों के निर्माण की प्रक्रिया में अंतर के कारण विभिन्न प्रकार के मूल्यों में भी संघर्ष पाया जाता है।

मूल्य

मानवीय
- मानवप्रेम
- परोपकार
- पर्यावरण संरक्षण
- अहिंसा

अन्य
- प्रतिबद्धता
- समर्पण
- उत्तरदायित्व

यदि इन मूल्यों के मध्य संघर्ष उत्पन्न होता है तो मानवीय मूल्यों की जीत होनी चाहिये क्योंकि -

① मानवीय मूल्य नैतिकता की निरंतरता व नैतिकता के विकास के लक्ष्य आवश्यक होते हैं।

② मानवीय मूल्य परोपकार व मानवीयप्रेम के माध्यम से हमें नैतिक बनाते हैं तथा मानव होने का आभास करवाते हैं।

③ यदि कोई मशीन समर्पण के मूलभूत मूल्य के आधार पर कार्य करते हुए मानवता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को नुकसान पहुंचाती है तो यह अनैतिक कार्य माना जाना चाहिए।

④ मूलभूत मूल्य भौगोलिक व नैतिकता के दायरे में सीमित होते हैं। समर्पण का मूल्य किसी ऑफिस के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है तो मानवीय मूल्य सम्पूर्ण मानवता के विकास पर आधारित है।

⑤ मूलभूत मूल्यों यथा समर्पण, प्रतिबद्धता के कारण विश्व युद्ध भी सामने आये हैं जो मानवता के विरोधी थे।

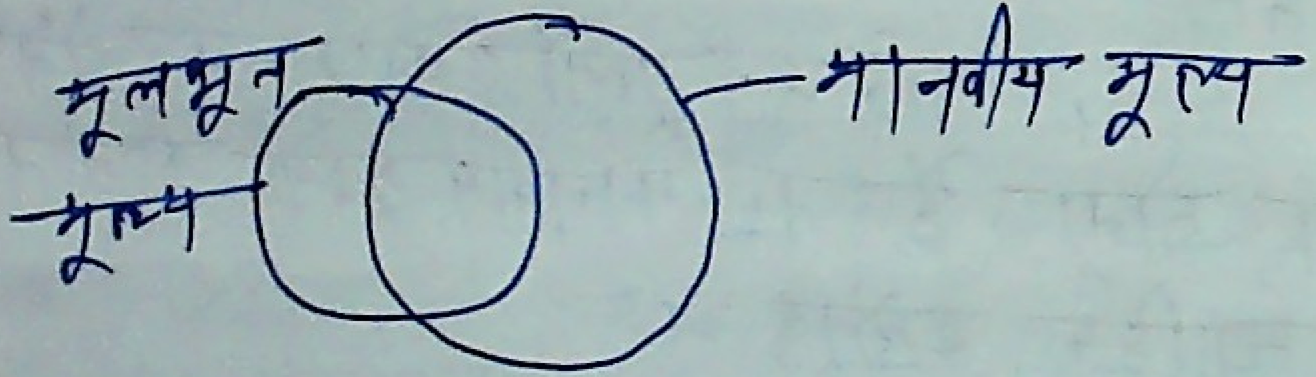

निष्कर्षतः मानवता व नैतिकता के साथ-साथ सभ्यता के संरक्षण व निरंतर विकास के लिए मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. (a) समूह, भीड़ और उपद्रवी भीड़ जैसे विभिन्न विन्यासों में मानव के आचरण पर सामाजिक प्रभाव और अनुनयन के प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द)

Analyze the impact of social influence and persuasion on the conduct of human beings in different settings like group, crowd and mob. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानव अपना आचरण अपने नैतिक मूल्यों के साथ-साथ दबाव, डर, लालच के कारण भी संचालित करता है।

मानव एक सामाजिक प्राणी है तथा इस कारण वश विभिन्न सामाजिक समूहों का साथ भी होता है। इन समूहों द्वारा मानव की नैतिकता एवं नैतिक मूल्यों के दायरे का विस्तार किया जाता है।

प्रभाव

① भीड़ से घिरा हुआ अल्पसंख्यक व्यक्ति किसी धर्म विशेष के भगवान के नारे को डर के आधार पर लगा सकता है।

② भीड़ व्यक्ति की पहचान छीन लेती है इस कारण वश हिंसक भी हो सकता है। (आरक्षण आंदोलन)

③ एक जिलाधिकारी द्वारा मानवीय मूल्यों के आधार पर अपील करने पर अनुनयन के कारण भीड़ की अभिवृत्ति में परिवर्तन भी हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...)

④ भीड़ या समूह के दबाव में आकर व्यक्ति बलात्कार जैसे जघन्य कार्यों को भी कर सकता है।

⑤ विशेष समूह द्वारा अनुनयन के प्रभाव के कारण ही आतंकवादी अपनी जान देने के व्यवहार को भी अभिव्यक्त करते हैं।

⑥ कभी-कभी भीड़ व्यक्ति को नैतिक कार्य के लिए भी उकसाती है। व्यक्ति समूह के दबाव में आकर दान कर सकता है तो अस्पृश्यता के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखने वाला व्यक्ति कुछ समय मानवीय समानता के सिद्धांत को स्वीकार कर सकता है।

निष्कर्षतः मानव के सामाजिक व्यवहार व आचरण पर भीड़ द्वारा सामाजिक प्रभाव व अनुनयन का सामान्यतः नकारात्मक प्रभाव ही दिखाई देता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. (b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास की चुनौतियों की चर्चा कीजिये। (150 शब्द)

Discuss the challenges of inculcating emotional intelligence in public servants. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमता स्वयं की भावनाओं को प्रत्यक्ष प्रबंधित कर दूसरे की भावनाओं को समझने के साथ-साथ प्रबंधित करने से भी संबंधित है।

भावनात्मक बुद्धिमता व्यक्ति में समानुभूति करुणा व कल्याण की भावना का समावेश करती है इसी कारण नैतिक शासन की अवधारणा सामने आती है। सिविल सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमता के समावेश में निम्न चुनौतियाँ हैं-

① अभिजात्यता व लालफीताशाही के कारण लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमता का समावेश नहीं हो पाता।

② सिविल सेवकों की अभिवृत्तियाँ भी भावनात्मक बुद्धिमता के विकास में प्रमुख बाधक है

③ करुणा की थकान के कारण भी भावनात्मक बुद्धिमता का विकास बाधित ही रहता है।

④ उचित प्रशिक्षण व्यवस्था के अभाव के कारण भी भावनात्मक बुद्धिमता का समावेश नहीं हो पाता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⑤ सत्यनिष्ठा का अभाव व भ्रष्टाचार के कारण सिविल सेवकों के कल्याण के दृष्टिकोण की तरफ उन्मुख नहीं हो पाता।

⑥ लोक सेवक की समाजीकरण की प्रक्रिया भी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बाधित करती है।

इसके लिए प्रशिक्षण व्यवस्था में सुधार, उचित समाजीकरण, लोक सेवकों का गांधीवाद के प्रति झुकाव व सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देकर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास किया जा सकता है।

निष्कर्षतः सर्वोदय व समावेशी विकास व लोकतंत्र की सफलता के लिए लोक सेवकों में विभिन्न माध्यमों से भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. अमृता एक सरकारी विभाग में युवा आई.ए.एस. अधिकारी हैं। इस विभाग में कुछ समय कार्य करने के पश्चात् उसे ज्ञात होता है कि महिला कर्मचारियों का पद पुरुष कर्मचारियों की तुलना में गौण है। पुरुष कर्मचारी वरिष्ठ महिला अधिकारियों से आदेश नहीं लेना चाहते हैं; इसके अतिरिक्त महिलाओं को महत्त्वपूर्ण विभागीय परियोजनाओं में शामिल नहीं किया जाता है और उनका उपहास बनाया जाता है, और यहाँ तक कि इस प्रकार की परियोजनाओं में शामिल होने से भी हतोत्साहित किया जाता है।

अमृता को अनौपचारिक माध्यम से ज्ञात होता कि विभाग प्रमुख भी इसी मानसिकता एवं मान्यताओं का अनुगामी है और उसका मानना है कि महिलाओं को इस विभाग में नहीं भेजा जाना चाहिये।

अमृता द्वारा कौन-से कदम उठाए जाने चाहिये जिससे कार्य संस्कृति महिलाओं के अनुकूल हो।

(250 शब्द)

Amrita, a young IAS officer, has joined a government department. After working for a while in this department, she realizes that position of women staff is subservient to male staff. Male staff don't want to take orders from senior women officers. Moreover, women are not taken on serious departmental projects and are derided, and even discouraged even from attempting such a project.

Amrita through informal channels comes to know that even the Head of the Department is of the same mindset and believes that women should not be sent to this department.

Discuss the course of action Amrita should take so that the work culture becomes conducive for women. (250 Words) 20

उपरोक्त केस स्टडी वर्तमान भारतीय समाज की नैतिक व सामाजिक दृष्टि में विद्यमान पूर्वाग्रहों के बारे में सूचित करती है।

नैतिक मुद्दे

① लैंगिक आधार पर भेदभाव
② समाज में पूर्वाग्रहों की उपस्थिति
③ लैंगिक आधार पर भागीदारी को हतोत्साहित करना।
④ शीर्ष अधिकारियों की अभिवृत्ति भी महिला विरोधी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must [not] write on this mar[gin])

③ इस व्यवस्था को समाज में स्वीकार किया जाता है।

अमृता द्वारा कार्य संस्कृति को महिलाओं के अनुकूल बनाने के लिए निम्न प्रयास किये जाने चाहिए—

① सर्वप्रथम इस सामाजिक व्यवस्था का पता लगाना तथा क्या कारण है कि महिलाओं की भूमिका को हतोत्साहित किया जाता है।

② साथ ही अपने साथियों व विभाग प्रमुख के विचार जानना जिससे कि समस्या के मूल कारणों को पहचाना जा सके।

③ अपने साथियों को उन महिलाओं के बारे में बताना जिन्होंने पुरुषों से बेहतर कार्य किया हो।

④ साथ ही विभाग प्रमुख व सहयोगियों की अभिवृत्ति परिवर्तन के लिए भी कार्य किया जाना चाहिए।

⑤ इसके लिए विभाग में सम्मेलन का आयोजन किया जाये जो महिला व पुरुषों के समान सहयोग पर बल देते हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(6) क्षमता द्वारा अपनी अधीनस्थ महिलाओं को नेतृत्व प्रदान कर पुरुष साथियों की अभिवृत्ति में परिवर्तन का प्रयास किया जाना चाहिए।

(7) साथ ही ऑफिस में "सशक्त नारी, सशक्त भारत", "नारी आज की शान" जैसे स्लोगन व महिलाओं के चित्रों को भी लगाया जाना चाहिए।

(8) यदि यह निश्चित है कि विभाग प्रमुख भी इसी मानसिकता का है तो इन प्रयासों में सफल न होने पर वरिष्ठ अधिकारियों के पास शिकायत की जा सकती है।

(9) साथ ही कानूनों का प्रावधान व सरकारी आदेशों के माध्यम से उचित कार्य संस्कृति निर्माण किया जाना चाहिए।

साथ ही दीर्घकालिक प्रयासों की भी आवश्यकता है-

(1) शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना।

(2) उचित समाजीकरण के माध्यम से लैंगिक रूप से संवेदनशील स्मार्ट नागरिक का निर्माण किया जाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(3) कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा तथा नकारात्मक मानसिकता वाले लोगों को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

(4) कानूनों के क्रियान्वयन के माध्यम से जीरो टोलरेंस की नीति अपनायी जानी चाहिए।

निष्कर्षतः अल्पकालिक व दीर्घकालिक उपायों के माध्यम से अमृता सरकारी विभागों में महिला सहयोगी कार्य संस्कृति के निर्माण में सफल होगी।

उम्मीदवार को इ हाशिये में नहीं चाहिये।
(Candidate mus write on this m

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. राज्य के एक पिछड़े जिले में विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति में अचानक आई गिरावट के पश्चात् यह पाया गया कि उच्च जाति के लोग अपने बच्चों को विद्यालय जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं क्योंकि विद्यालय में निम्न जाति के बच्चों को दाखिला दिया गया है।

उच्च जाति के लोग दबाव बना रहे हैं कि उनके बच्चे न तो निम्न जाति के बच्चों के साथ बैठेंगे और न ही उनके साथ भोजन करेंगे। उच्च जाति के लोग अपने निर्णय पर अटल हैं और चाहते हैं कि विद्यालय प्रशासन निम्न जाति के बच्चों को पहले विद्यालय से निष्कासित करें और इसके पश्चात् ही उनके बच्चे विद्यालय जाएंगे।

(a) उपरोक्त मामले में निहीत नैतिक मुद्दों की चर्चा कीजिये।

(b) ज़िलाधिकारी के रूप में आप उन्हें अपने बच्चों को विद्यालय भेजने हेतु तैयार करने के लिये कौन-से प्रभावी उपाय अपनाएंगे? (250 शब्द)

In a backward district of a state, after a sudden drop in school attendance, it was found that the upper caste people are not allowing their children to go to school because the school has admitted children from the lower caste.

Upper caste people are insisting that their children will not sit or have food with lower caste children. Upper caste people are adamant on their position and want school administration to first expel the lower-caste students from the school and then only their children will attend school.

(a) Discuss the ethical issues in the above case.

(b) As a District Magistrate, what effective measures will you undertake to convince them to send their children to school? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान भारतीय समाज में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर वर्ण व्यवस्था व जाति व्यवस्था आधारित अस्पृश्यता की विद्यमानता है जो 21वीं सदी में भी जारी है।

नैतिक मुद्दे

① वर्ण व्यवस्था व जाति व्यवस्था के आधार पर भेदभाव किया जा रहा है।

② व्यक्तियों के नैतिक मूल्य संकीर्ण हैं जो पूर्वाग्रहों से युक्त हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

③ हमारी शिक्षा व्यवसाय जाति आधारित अभिवृत्ति के परिवर्तन में सफल नहीं हो पायी है।

④ समानुभूति, नैतिकता व समानता जैसे मूल्यों का अभाव है।

⑤ जाति आधारित संगठन अनैतिक प्रथाओं को भी बढ़ावा दे रहा है।

⑥ संविधान की अस्पृश्यता विरोधी व सामाजिक न्याय आधारित धारणा का उल्लंघन किया जा रहा है।

प्रभावी उपाय

① सर्वप्रथम मैं मामले से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों की पहचान कर सूचना एकत्रित करने का प्रयास करूँगा।

② ग्राम में उच्च जाति के लोगों से बातचीत करूँगा तथा उनका पक्ष जानने का प्रयास किया जाएगा।

③ ~~~~ मैं अनुनयन व भावनात्मक बुद्धिमता के प्रयोग से मानवीय मूल्यों, सहयोग, परोपकार की भावना के आधार पर इनकी अभिवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करूँगा।

उम्मीदवार को इ... हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate mus... write on this ma...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

④ समाज के प्रभावशाली लोगों से बातचीत करने के अलावा किसी प्रगतिशील व प्रभावी धर्मगुरु के माध्यम से अभिवृत्ति परिवर्तन का प्रयास किया जायेगा।

⑤ उच्च वर्ग के प्रगतिशील लोगों व मैं स्वयं तथाकथित निम्न वर्ग के बच्चों के साथ स्कूल में भोजन करूँगा।

⑥ यदि मैं इन प्रयासों से भी सफल नहीं होता हूँ तो कानून व पुलिस व्यवस्था का भी सहारा लिया जायेगा।

⑦ जाति भेद के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों पर कानूनी कार्यवाही भी की जा सकती है।

⑧ यदि मैं सफल नहीं होता हूँ तो विद्यालय का संचालन उच्च वर्ग के बच्चों के बिना भी किया जा सकता है।

दीर्घकालिक उपाय

① शिक्षा व्यवस्था को समावेशी बनाना तथा समाजीकरण की प्रक्रिया को मानवीय व नैतिक आधार पर पुनः विकसित करना।

② लोगों की अभिवृत्ति परिवर्तन के लिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिए।

③ निम्न वर्ग को अपने अधिकारों व संविधान की दृष्टि (अनु. 17) से परिचित करवाया जाना चाहिए।

निष्कर्षत: समावेशी समाज एवं नवीन भारत के निर्माण के लिए संविधान, कानूनों, मानवाधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय घोषणा के आधार पर कार्य किया जाना चाहिए।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate m... write on this ...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. आप एक सरकारी विभाग के लेखा परीक्षक हैं। आपका पुत्र एक व्यवसाय शुरू कर रहा है और इसके लिये उसे उस बैंक से बड़ी मात्रा में ऋण की आवश्यकता है, जिस बैंक का आप लेखा परीक्षण कर रहे हैं। लेकिन वह अपने अनुपयुक्त सिबिल स्कोर (खराब क्रेडिट रेंटिंग) के फलस्वरूप बैंक से ऋण प्राप्त करने में असमर्थ है। इसके अलावा आप ऋण नहीं ले सकते हैं क्योंकि यह राशि आपकी वेतन सीमा से बहुत अधिक है।

जब आप बैंक के खातों का परीक्षण करते हैं, तो आपको ज्ञात होता है कि इसके तुलन-पत्र में गोपनीय तनावग्रस्त परिसंपत्तियाँ शामिल हैं। हालाँकि बैंक का एक सहायक महाप्रबंधक आपको तुलन-पत्र को संतुलित दिखाने के बदले सहायता का प्रस्ताव रखता है।

(a) उपरोक्त स्थिति में किन मूल्यों के मध्य में संघर्ष की स्थिति है, चर्चा कीजिये।

(b) आपके समक्ष कौन-कौन से विकल्प हैं? प्रत्येक विकल्प के लिये तर्क भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द)

You are an auditor with a government department. Your son is starting a business and for that he needs large amount of loan from a bank you are auditing. But he couldn't secure a loan from the bank because of his bad CIBIL score. Moreover, you cannot take the loan as the amount far exceeds your salary range.

When you scrutinize the accounts of the bank, you find that its balance sheet has hidden stressed assets. However, one Assistant General Manager of the bank offers you help in return of a favour that you fudge the balance sheet of the bank.

(a) What are the values in conflict in the above situation?

(b) What are the various options before you? Also provide justification for each of the option. (250 Words) 20

वर्तमान भारतीय शासन व्यवस्था में सत्यनिष्ठा की कमी एवं भ्रष्टाचार के कारण आंतरिक स्तर पर ~~भ्रष्टाचार~~ व गैर कानूनी गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है।

① यहाँ पर परिवार के हित के साथ-साथ सत्यनिष्ठा के मूल्य में संघर्ष विद्यमान है।

② साथ ही अनुचित कार्य के लिए रिश्वत का भी नैतिक मुद्दा विद्यमान है।

③ बैंक द्वारा अपनी तनावग्रस्त परिसम्पत्तियों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidate
write on thi

को उजागर न करना भी नैतिक दृष्टि से सही नहीं है जो कॉर्पोरेट गवर्नेंस की कमी को उजागर करता है।

④ यहाँ पर निजी हित व सार्वजनिक हित के मध्य संघर्ष विद्यमान है।

⑤ यहाँ पर परीक्षण होगा कि व्यक्ति की सत्यनिष्ठा का दायरा कितना विस्तारित है।

विकल्प

- सहायता स्वीकार करना
- सहायता स्वीकार न करना
- स्वतंत्र लेखा परीक्षण व अन्य कार्यवाही

① सहायता स्वीकार करने से मेरे पुत्र का व्यवसाय भी बच जायेगा तो साथ ही बैंक की बैलेंस शीट पर सही दिखेगी। इस स्थिति में दोनों पक्षों के लिए लाभ की स्थिति विद्यमान है।

यदि मैं सहायता स्वीकार कर लेता हूँ तो बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरी उजागर नहीं हो पायेगी। इस कारण इसका बुरा असर अर्थव्यवस्था पर होगा जो नैतिक मूल्यों की विस्तारित परिधि की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वारा से स्वीकार करने योग्य विकल्प नहीं है।

(B) सहायता स्वीकार न करना

(पक्ष)

① बैंक की वास्तविक स्थिति सामने आयेगी।

② समय रहते उचित उपाय किया जा सकेगा।

③ स्वतंत्र लेखा परीक्षण अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक होगा।

(विपक्ष)

① पुत्र का व्यवसाय शुरु नहीं हो पायेगा।

② तुलन पत्र की वर्तमान स्थिति को भविष्य में सही किया जा सकेगा।

(C) तीसरा विकल्प उपयुक्त है मैं सहायता रूपी रिश्वत को स्वीकार नहीं करूंगा। साथ ही इस प्रकार की वित्तीय अनियमितता की शिकायत उच्च अधिकारियों के पास भी की जायेगी। इस विकल्प के कारण बैंकिंग व्यवस्था के वर्तमान संकट को हल करने में सहायता मिलेगी तथा बैंकों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का समावेश होगा।

पुत्र का व्यवसाय शुरु करने के लिए मुद्रा व अन्य सरकारी योजनाओं के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साथ-साथ दूसरे बैंकों में भी आयोजन किया जा सकता है

निष्कर्षतः तीसरे विकल्प के चयन से वर्तमान व भविष्य के राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होगी तथा लेखा परीक्षण की स्वतंत्रता भी बनी रहेगी।

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on th

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. झारखंड के कई गाँवों ने पत्थलगड़ी का सहारा लिया है- यह अपने गाँव के क्षेत्राधिकार के सीमांकन के लिये पत्थर के स्मारकों की स्थापना की एक आदिवासी परंपरा है। इसमें संविधान की पाँचवीं अनुसूची के तहत अपने क्षेत्रों में स्वायत्तता और स्व-शासन की घोषणा की जाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन इलाकों में सरकारी कर्मचारियों सहित किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।

विभिन्न स्रोतों से यह पता चला है कि आदिवासी, राज्य और केंद्र सरकार से खुश नहीं हैं क्योंकि वे हाशिये पर हैं और उपेक्षित महसूस करते हैं और परंपरागत रूप से अपने नियंत्रण वाले संसाधनों की लूट का अनुभव कर रहे हैं। वे अपनी दुर्दशा के लिये नए कानून और विकासात्मक गतिविधियों को जिम्मेदार ठहराते हैं।

मान लीजिये कि आप एक ऐसे प्रभावित क्षेत्र के ज़िलाधिकारी हैं, जहाँ यह आंदोलन चल रहा है, तो आप लघुकालिक के साथ-साथ दीर्घकालिक आधार पर मुद्दों से निपटने के लिये क्या रणनीति अपनाएंगे? अपनी रणनीतियों के लिये तर्क दीजिये। (250 शब्द)

Several villages in Jharkhand have resorted to Pathalgarhi – a tribal tradition of erecting stone slabs to demarcate the area of their villages' jurisdiction, declaring their autonomy and self-rule in the areas under the Fifth Schedule of the Constitution.

In these localities, no outsider including the government servants are allowed. From various sources, it has come to be known that tribals are not happy with the state and central government as they feel ignored, marginalized and have been experiencing the plunder of their resources on which traditionally they enjoyed control. They hold new laws and developmental activities responsible for their plight.

Suppose you are a DM in one such affected district where this movement is going on, what strategies will you adopt to tackle the issues on short term as well as long term basis. Give justification for your strategies. (250 Words) 20.

यह स्थिति सरकारी उदासीनता व विकास प्रेरित उग्रवाद व नक्सलवाद़ी आंदोलन के उदय की परिस्थितियों के बारे में अवगत कराती है।

वर्तमान में विकास पर बल दिया जा रहा है लेकिन आदिवासियों के हितों को संरक्षित नहीं किया जा रहा। इस कारण आदिवासियों के मध्य असंतोष में वृद्धि हो रही है जो आंतरिक सुरक्षा के लिए सम्भावित खतरा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जिलाधिकारी होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि इस समस्या का प्रभावी समाधान किया जाये।

अल्पकालिक

(1) सर्वप्रथम मैं समस्या के कारण का अध्ययन करूँगा तथा सम्भावित समाधानों के लिए भी विचार किया जायेगा।

(2) जनजातियों के नेता व धार्मिक गुरुओं से चर्चा कर समस्या के वास्तविक स्वरूप की पहचान करना।

(3) अल्प काल में जनजातियों की माँगों के प्रति अनुक्रिया दर्शाना व उनके अधिकारों का संरक्षण करना।

(4) जनजातियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने से पूर्व जनजातिय क्षेत्र में प्रशासन की पहुँच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

(5) जनजातियों को पाँचवी अनुसूची, वन अधिकार अधिनियम व पेसा (1996) के बारे में बताया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(6) समस्याओं व समाधानों की पहचान के लिए ~~समिति~~ समिति का गठन किया जाये।

(7) इन क्षेत्रों में कानून एवं व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाये। इन उपायों के आधार पर तात्कालिक रूप से असंतोष को कम किया जा सकता है।

दीर्घकालिक

(1) कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन व लाभार्थियों की पहचान।

(2) वन अधिकार अधिनियम व पेसा के माध्यम से ग्राम सभा को सशक्त करना।

(3) परियोजनाओं का पर्यावरणीय प्रभाव आकलन तथा सामाजिक अंकेक्षण किया जाना चाहिए।

(4) साथ ही भविष्य में परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए ग्राम सभा की स्वीकृति को अनिवार्य बनाया जाये।

(5) जनजातियों को अपने अधिकारों के बारे में जागरूकता करना तथा प्रशासकों में समानुभूति व समर्पण की भावना का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विकास किया जाना चाहिए।

⑥ जनजातीय क्षेत्र में शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य व रोजगार आधारित अवसंरचना का ग्राम सभा की सहायता से विकास करना।

⑦ संविधान की दृष्टि से जनजातियों का विकास करने से जनजातियों का समाज में समायोजन तथा असंतोष को उग्रवाद में बदलने से रोका जा सकेगा।

निष्कर्षतः इस स्थिति को सुधारने के लिए जनजातियों की जागरूकता, सहयोगी प्रशासन व विकास व पर्यावरण संरक्षण के सहयोगी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

12. सिद्धांत और उसका परिवार उसके विवाह समारोह को लेकर बेहद उत्साहित थे, क्योंकि बहुत लंबे समय के बाद उनके परिवार में कोई विवाह हो रहा था। लेकिन जैसे ही सिद्धांत विवाह स्थल पर पहुँचा, उसने देखा कि वधु पक्ष द्वारा बुलाए गए बैंड में कई बाल मज़दूर शामिल थे। उत्साहित सिद्धांत अचानक एक अंतर्द्वंद्व झेलते सिद्धांत में बदल गया, क्योंकि एक श्रम आयुक्त होने के नाते यह उसका कर्तव्य था कि वह विधि के इस उल्लंघन को रोके। उसने इस पर मनन किया और एक नए बैंड की व्यवस्था करने, बैंड के मालिक को इस तरह के आचरण में संलग्न होने के लिये नोटिस देने और उसके विरुद्ध मामला दर्ज कराने, जैसे कई विकल्पों पर विचार किया। परंतु सिद्धांत यह सोचते हुए अंततः विवाह के लिये आगे बढ़ गया कि यह उसके जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण दिन को बर्बाद कर देगा।

(a) क्या सिद्धांत अपने आचरण में सही था?

(b) यदि आप सिद्धांत की जगह होते तो उसके द्वारा विचारित विकल्पों में से आपने किसका चयन किया होता? (250 शब्द)

Siddhant and his family were very excited about his marriage ceremony, as after a very long time a marriage was taking place in their family. But as soon as Siddhant reached marriage venue, he saw that the band arranged by the bride's side had many child laborers who were involved with the band. Excited Siddhant suddenly turned into a conflicted Siddhartha, as being a labor commissioner it was his duty to stop such violation of law. He pondered over it, and thought of many options like arranging a new band immediately, giving notice to the band owner for engaging in such conduct and filing a case against them. But, Siddhant ultimately proceeded with the wedding thinking that it will ruin the most important day in his life.

(a) Was Siddhant right in his conduct?

(b) If you would have been in place of Siddhant, amongst the options pondered by him what would have been your course of action? (250 Words) 20

इस केस स्टडी में भारतीय समाज में बाल श्रम तथा आदी समाज में स्वीकारोक्ति की बात उजागर की गई है।

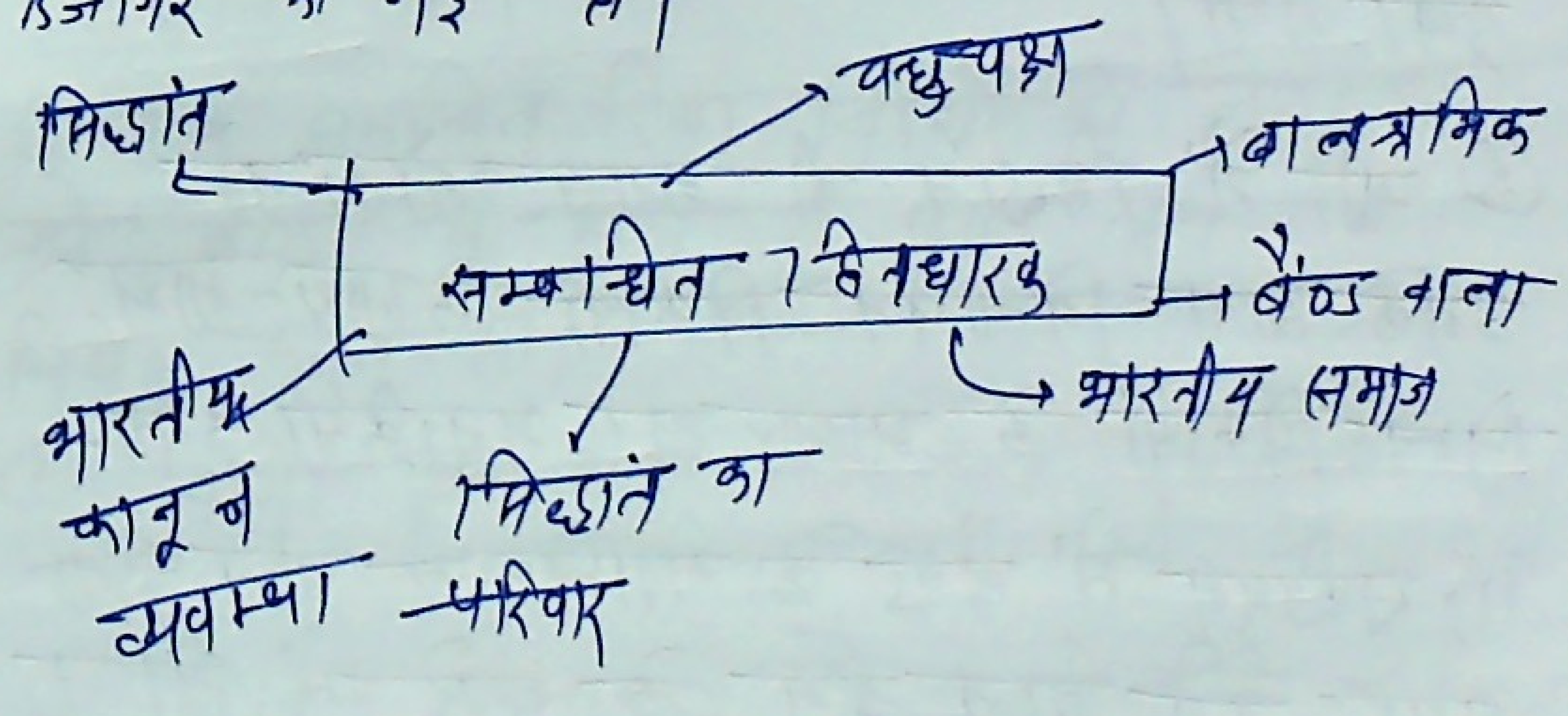

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

Ⓐ वैचारिक स्तर पर सिद्धांत द्वारा सत्यनिष्ठा का परिचय दिया गया लेकिन व्यवहार के स्तर पर सिद्धांत का आचरण परिस्थितियों के अनुरूप सही नहीं था।

सिद्धांत एक श्रम आयुक्त था अतः उसे आचरण में बाल श्रम के मुद्दे पर और अधिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता थी। सिद्धांत यदि सही प्रतिक्रिया करता तो इसका प्रभाव भी सशक्त होता तथा सिद्धांत केवल विशिष्ट दिन एक विशिष्ट कार्य के लिए भी याद रहता है इस आधार पर सिद्धांत के कार्य को नैतिक आधार पर सही नहीं माना जा सकता। सिद्धांत की अभिव्यक्ति व व्यवहार में अंतर के कारण सत्यनिष्ठा का अभाव देखा गया।

Ⓑ यदि मैं सिद्धांत की जगह होता तो उसके द्वारा विचारित विकल्पों के साथ-साथ निम्न विकल्पों के आधार पर प्रतिक्रिया करता-

(i) सर्वप्रथम मैं बैण्ड के मालिक से बात करता तथा उसे बाल श्रम के बारे में अवगत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करवाता। साथ ही मैं उस बैण्ड को कार्य करने से रोक देता।

(ii) साथ ही विवाह समारोह के सुचारु संचालन के लिए त्वरित रूप से दूसरे बैण्ड की व्यवस्था की जा सकती थी।

(iii) साथ ही मैं बालश्रम वाले बैण्ड मालिक को नोटिस देने के साथ-साथ विरुद्ध मामला दर्ज करने के विकल्प पर भी विचार करता।

(iv) साथ ही यह निश्चित किया खराब न हो इसके लिए मैं अपने किसी अधीनस्थ श्रम आयुक्त को आगे इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत सकता था। आगे शादी के बाद इस मुद्दे को स्वयं देखता।

दीर्घकालिक उपाय

① एक समन्वित दिशा निर्देशों को लागू करना जो बैण्ड के क्षेत्र में बाल श्रम का निषेध करते हो।

② लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जाना भी आवश्यक है।

③ सिविल सोसायटी के सहयोग से वर्तमान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

बाल श्रमिकों के पुनर्वास व शिक्षा की व्यवस्था करना।

(7) जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ बैण्ड मालिकों को भविष्य के लिए चेतावनी देना।

निष्कर्षतः बाल श्रम पर नियंत्रण के लिए त्वरित अनुक्रिया के साथ-साथ बहुआयामी व दीर्घकालिक सुधारों की भी आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. एक भारतीय शहर में अपशिष्ट निपटान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में नगर निकाय के अधिकारियों के सुस्त रवैये को लेकर लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। अधिकारियों के रवैये ने न केवल शहर की स्वच्छता को प्रभावित किया है, बल्कि यह कई प्रकार के रोगों, वायु प्रदूषण, प्रतिकूल व्यापार वातावरण आदि का कारण बन गया है। शहरों में साफ-सफाई और स्वच्छता पर कार्यरत एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा एक जनहित याचिका दायर की गई। विषय की खेदजनक स्थिति को देखते हुए, न्यायालय ने नगर आयुक्त को शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिये किये गए उपायों के संबंध में तीन माह के अंदर प्रगति रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। मान लीजिये कि आप नगर आयुक्त हैं तो न्यायालय के आदेश पर अपनी प्रतिक्रिया की चर्चा कीजिये। (250 शब्द)

Lacklustre attitude of municipal authorities in garbage disposal and solid waste management in an Indian city has led to protest by people. This state of affair has not only affected the city's hygiene but has also become a cause of multiple types of diseases, air pollution, unfriendly business environment, etc. A PIL has been filed by an NGO working for cleanliness and hygiene in cities. Seeing the sorry state of affairs, the court has ordered the City Commissioner to give a progress report within three months about the measures taken for proper disposal of garbage and solid waste management in the city. Suppose you are the City Commissioner then discuss your response to the court's order. (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त दृष्टांत मे अधिकारियों के उदासीन रवैये व स्वच्छता के प्रति भारतीय संस्कृति एवं कार्यप्रणाली संबंधित दोष उजागर होते है।

भारत द्वारा सफाई के लिए स्वच्छ भारत अभियान शुरु किया है जिसके माध्यम से नगरपालिका के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ अभिवृत्ति परिवर्तन का भी कार्य किया जा रहा है।

नगर आयुक्त होने के प्रति मेरा दायित्व है कि मैं न्यायालय को वास्तविक स्थिति से परिचित करवाऊँ तथा अस्वच्छता के लिए उत्तरदायी कारणों का समाधान करने का प्रयास करूँ -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate m... write on this ...

(1) मैं न्यायालय को बताता था कि अपशिष्ट निपटान के लिए नगरपालिका द्वारा क्या किया जा रहा है।

(2) विभिन्न अधिकारियों के माध्यम से वास्तविक स्थिति के बारे में बताया जाता।

(3) जाँच में मैं जनता के प्रतिनिधियों व सिविल सोसायटी को शामिल किया जाता।

(4) प्रगति रिपोर्ट तैयार करने में जनता की समस्याओं को शामिल किया जायेगा।

(5) साथ ही रिपोर्ट में बताया जायेगा कि अपशिष्ट निपटान के लिए और अधिक समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

(6) यदि अपशिष्ट निपटान में असफलता प्राप्त होती है तो असफलता को आगे आकर स्वीकार किया जायेगा।

(7) रिपोर्ट में वर्तमान दशा के साथ-साथ भविष्य के उपायों को भी सूचीबद्ध किया जायेगा।

(8) न्यायालय को बताया जायेगा कि अपशिष्ट निपटान की वर्तमान व्यवस्था क्या है तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

और किन सुधारों की आवश्यकता है।

दीर्घकालिक उपाय

① अपशिष्ट निपटान की वैज्ञानिक पद्धति का विकास किया जायेगा।

② अपशिष्ट निपटान में स्थानीय लोगों को भी शामिल किया जायेगा।

③ विभिन्न अधिकारियों का उत्तरदायित्व भी निश्चित किया जायेगा।

④ साथ ही वेस्ट टू एनर्जी परियोजनाओं का भी विकास किया जायेगा।

⑤ इन्दौर की तर्ज पर एक तंत्र का निर्माण किया जायेगा जहाँ लोग अपनी शिकायतों को दर्ज करवा सके।

⑥ दीर्घकालिक अपशिष्ट निपटान नीति का निर्माण किया जायेगा।

⑦ इस क्षेत्र में अवसंरचना विकास एवं पर्याप्त वित्त की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जायेगी।

⑧ अपशिष्ट निपटान नियमों व स्वच्छ भारत मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन भी किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जायेगा।

निष्कर्षतः वर्तमान व्यवस्था में विद्यमान कमियों को पहचान कर अपशिष्ट निपटान की भविष्य आधारित व्यवस्था को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा है।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation